भारतीय डेयरी क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने, सुगम बनाने के लिए त्वरक

पशुपालन अवसंरचना विकास कोष (ए एच आई डी एफ) उद्यमियों, निजी कंपनियों, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एम एस एम ई), किसान उत्पादक संगठनों (एफ पी ओ) को वित्तीय सहायता प्रदान करता है

डेयरी क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने और उसे सुगम बनाने को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार के पशुपालन एवं डेयरी विभाग (डीए ए चडी) ने अपने निवेश सुविधा सेल के तहत डेयरी इन्वेस्टमेंट ऐक्सेलरेटर (निवेश त्वरक) की स्थापना की है। यह त्वरक निवेशकों के साथ तालमेल बढ़ाने के लिए गठित एक क्रॉस-फंक्शनल समूह है। यह पूरे निवेश चक्र में इस तरह सहायता प्रदान करेगा:

- निवेश अवसरों के मूल्यांकन के लिए विशिष्ट जानकारी प्रदान करना
- सरकारी योजनाओं के लिए आवेदन संबंधित सवालों का जवाब देना
- रणनीतिक साझीदारों के साथ जुड़ना
- राज्य के विभागों और संबंधित प्राधिकरणों के साथ जमीनी रूप से सहायता प्रदान करना

इसके अलावा, पशुपालन एवं डेयरी विभाग (डीए एच डी) के साथ मिलकर डेयरी इन्वेस्टमेंट ऐक्सेलरेटर वैश्विक एवं स्थानीय उद्योग प्रतिभागियों के साथ मिलकर कई कार्यक्रमों का आयोजन करेगा और निवेशकों के साथ आमने-सामने चर्चा करेगा जिससे उनके दृष्टिकोण को समझा जा सके, सरकारी अधिकारियों के साथ उनकी सीधी बातचीत को सुगम बनाया जा सके और उद्योग के अन्य निवेशकों के साथ जुड़ा जा सके।

डेयरी इन्वेस्टमेंट ऐक्सेलरेटर निवेशकों के बीच पशुपालन अवसंरचना विकास कोष (ए एच आई डी एफ) के बारे में जागरूकता फैलाने का भी काम कर रहा है। ए एच आई डी एफ, भारत सरकार के पशुपालन एवं डेयरी विभाग की प्रमुख योजनाओं में से एक है जिसके अंतर्गत उद्यमियों, निजी कंपनियों, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एम एस एम ई), किसान उत्पादक संगठनों (एफ पी ओ) और कंपनी एक्ट के भाग 8 के अधीन स्थापित इकाइयों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए 15,000 करोड़ रुपये का कोष स्थापित किया गया है।

पात्र संस्थाएं डेयरी प्रसंस्करण और संबंधित मूल्य वर्धन बुनियादी ढांचे, मांस प्रसंस्करण और संबंधित मूल्य वर्धन बुनियादी ढांचे और पशु चारा संयंत्रों के क्षेत्रों में नई इकाइयों की स्थापना या मौजूदा इकाइयों का विस्तार करने के लिए योजना का लाभ उठा सकती हैं।

उपलब्ध लाभ हैं:

- ऋण पर 3% ब्याज की छूट
- 6 वर्ष अदायगी अवधि के साथ 2 वर्ष छूट की मोहलत
- 750 करोड़ रुपये की क्रेडिट गारंटी

भारत विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है जिसका वैश्विक उत्पादन में 23% का योगदान है। पिछले 5 वर्षों में देश के वार्षिक दुग्ध उत्पादन में 6.4% (सीए जी आर) की बढ़ोतरी हुई है। अपने सामाजिक-आर्थिक महत्व के कारण डेयरी, भारत सरकार के लिए एक उच्च प्राथमिकता वाला क्षेत्र है। यह देश की अर्थव्यवस्था में 5% का योगदान करने वाला एकमात्र सबसे बड़ा कृषि उत्पाद है और 8 करोड़ से ज्यादा किसानों को सीधे रोज़गार प्रदान करता है।

पशुपालन एवं डेयरी विभाग डेयरी क्षेत्र में निवेश करने में रुचि रखने वाली सभी निजी कंपनियों, विशिष्ट उद्यमियों और स्टार्ट-अप को प्रोत्साहित करता है कि वे **dairy-accelerator@lsmgr.nic.in** पर डेयरी निवेश त्वरक से संपर्क करें।